|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 14. Februar 2024 | | |
| **Aschermittwoch B** | | |
| Erste Lesung: Joel 2, 12-18; Zweite Lesung: 2 Kor 5, 20 – 6, 2; Evangelium: Mt 6, 1-6. 16 – 18 | | |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 272 | Zeige, uns, Herr |
|  | GL 277, 1-3 | Aus tiefer Not |
|  | GL 744 | Herr Gott, vor den wir treten |
|  | GL 638, 1-4 | Nun ist sie da, die rechte Zeit |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 163, 4 | Herr Jesus |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 51 (50), 3-6b. 12-14 u. 17 | |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 639, 1 | Erbarme dich meiner |
|  | Psalmenlied: |  |
|  | GL 268, 1+3+4 | Erbarme dich, erbarme dich |
|  |  | |
| Ruf vor dem Evangelium: | GL 584, 9 oder GL 560, 1 oder GL 644, 6 | |
|  | Vers: |  |
|  | *Wenn ihr seine Stimme hört,* | |
|  | *Verhärtet nicht euer Herz!* | |
|  |  |  |
| Homilie | | |
|  | | |
| Einladung zum Gebet – Gebet – Segnung und Austeilung der Asche | | |
|  | | |
| Während der Austeilung |  |  |
| des Aschenkreuzes: | GL 266 | Bekehre uns |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 422, 1-3 | Ich steh vor dir |
|  | GL 460, 1-5 | Wer leben will |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 193 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 747, 1-3 | Gottes Lamm |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 211 | Wir rühmen dich König |
|  | GL 275 | Selig, wem Christus |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 746, 1+3+6 | Dich liebt, o Gott |
|  |  |  |